बापू की 150वीं वर्षगांठ

(Mahatma Gandhi From Past To Present)

''अतीत को वर्तमान में'' उतारने की जिला प्रशासन की योजना''

महात्मा गॉधी जी की 150वीं वर्षगांठ इस पूरे वर्ष मनायी जा रही है। हम सबका यह सौभाग्य एवं कर्तव्य भी है कि इस वर्ष हम सब प्रतिदिन गॉधी जी के कार्यों को पहचाने और उस पर आचरण भी करें। 02 अक्तूबर, 1869 को उनका जन्म हुआ और 30 जनवरी 1948 को उनका शरीर शांत हुआ। 78 वर्षों के जीवनकाल में उनका हर दिन यदि गम्भीरता से व संवेदनशीलता से देखा जाये एवं आंकलन किया जाये, तो वह प्रेरणा का एक भण्ड़ार है। एक अध्ययन जिला प्रशासन की ओर से किया गया है। जिसमें उनके जन्म समय से लेकर मुत्यु उपरान्त 78 वर्षों के जीवनकाल में 185 महत्वपूर्ण घटनाऐं विशिष्ठ रूप से ध्यान आकर्षक योग्य है।

यह निर्णय लिया गया है कि महात्मा गॉधी जी के पूरे जीवनकाल में माहवार (Monthwise) जो विशिष्ठ घटनाऐं घटित हुई है, उन्हें इस वर्ष के इसी माह की, उसी तिथि को स्मरण किया जाये। ऐसी जिन 12 घटनाओं का संकलन किया गया है, उन्हें आज की परिस्थितियों में कैसे प्रासंगिक बनाया जा सकता है, इस पर चिन्तन किया जायेगा। जिन तिथियों व घटनाओं का चयन किया गया है वे केवल उस समय के लिए प्रासंगिक नही थी, बल्कि वतर्मान सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, प्रशासनिक परिवेश के लिए भी प्रासंगिक है और उनमें आज भी तमाम समस्याओं का समाधान एवं प्रेरणा के सूत्र छिपे हुए है। इसका एक कैलेण्ड़र तैयार किया गया है, जो निम्नवत् है :–

चौरी चौरा काण्ड़ के बाद प्रथम असहयोग आन्दोलन की वापसी एवं कस्तूरबा गॉधी जी की मृत्यु इसी माह में हुई थी। इसलिए इसको थीम में रखकर इसका आयोजन 22 फरवरी, 2020 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगा।

- **बापू की 150वीं वर्षगांठ पर जिला प्रशासन की अनूठी पहल।**
- **बापू के जीवनकाल की महत्वपूर्ण 12 घटनाऐं संकलित कर तैयार किया कैलेण्ड़र।**
- **महात्मा गॉधी जी के पूरे जीवनकाल में माहवार (Monthwise) जो विशिष्ठ घटनाऐं घटित हुई है, उन्हें इस वर्ष, उसी तिथि को मनायेगा जिला प्रशासन।**
- **मुख्यालय, तहसील, ब्लॉक एंव विभिन्न संस्थानों में आयोजित होंगे कार्यक्रम।**

दिनांक	वर्ष	विवरण	वर्ष 2020 में आयोजित कार्यक्रमों का दिनांक
12 फरवरी	1922	चौरा–चौरी काण्ड़ के बाद प्रथम असहयोग आन्दोलन की वापसी और रचनात्मक कार्यों का आह्वान।	उक्त दोनों कार्यक्रम दिनांक 22 फरवरी, 2020

22 फरवरी	1944	कस्तूरबा गॉधी जी की मृत्यु।	को मनायें जायेंगे।
12 मार्च	1930	सत्याग्रह आश्रम से डांडी मार्च का प्रारम्भ।	12 मार्च, 2020
10 अप्रैल	1917	नील की खेती करने वाले किसानों की परिस्थिति का आकलन करने के लिए पटना की यात्रा की।	10 अप्रैल, 2020
31 मई	1893	पीटरमैरित्सबर्ग स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के डब्बे से धक्का देकर उतारा गया।	31 मई, 2020
23 जून	1910	टॉलस्टॉय फार्म की स्थापना।	23 जून, 2020
31 जुलाई	1933	व्यक्तिगत सत्याग्रह के लिए अपने विचार व्यक्त किये।	31 जुलाई, 2020
08 अगस्त	1942	भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रारम्भ 'करो या मरो' का नारा दिया।	08 अगस्त, 2020
24 सितम्बर	1932	पूना समझौता पारित।	24 सितम्बर, 2020
02 अक्तूबर	1869	महात्मा गॉधी जी का जन्म।	02 अक्तूबर, 2020
05 नवम्बर	1931	दूसरी गोल मेज़ परिषद के प्रतिनिधियों के लिए पंचम जॉर्ज द्वारा आमंत्रित राजसी समारोह में गॉधी जी हमेशा की पोषाक (लंगोटी/धोती) में गये।	05 नवम्बर, 2020
03 दिसम्बर	1925	सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा 'यंग इंण्डिया' में प्रारम्भ।	03 दिसम्बर, 2020

जिलाधिकारी गाजियाबाद अजय शंकर पाण्डेय ने बताया कि इसको कैसे मनाया जायेगा, इसकी योजना तैयार की जा रही है। चौरी चौरा काण्ड़ के बाद प्रथम असहयोग आन्दोलन की वापसी एवं कस्तूरबा गॉधी जी की मृत्यु को थीम में रखकर इसका पहला आयोजन 22 फरवरी, 2020 को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में होगा। हर तिथि पर कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न संस्थानों यथा–आई0एम0टी0, आई0टी0एस0 इत्यादि में आयोजित कराया जायेगा। क्योंकि बोर्ड परीक्षाऐं चल रही है, इसलिए पहला आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगा। इसी प्रकार जनपद की समस्त तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर भी समस्त आयोजन उन्हीं तिथियों पर आयोजित कराया जायेगा। इस कार्यक्रम में गॉधीवादी विचारक को भी अपने विचार रखने हेतु आमंत्रित किया जायेगा। जिला प्रशासन की इस योजना में समाज के हर वर्ग मजदूर, किसान, व्यापारी, महिलाओं, विद्यार्थी, उद्योगपति, अधिकारी इत्यादि सभी को इन आयोजनों में चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जायेगा।

ज्ञातत्व है कि जिला प्रशासन द्वारा महात्मा गॉधी जी की 150वीं वर्षगांठ में उसके मूलभूत उद्देश्यों तक पहुॅचाने के लिए **''बापू के लिए.....'' – योजना की शुरूआत की है।** इस योजना के तहत सभी सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक डायरी दी गयी है। इस योजना का सबसे प्रमुख बिन्दु यह है कि हम प्रतिदिन एक कार्य ऐसा करें, जो महात्मा गॉधी के आदर्शों, सोच और चिन्तन के अनुरूप हो तथा उन कार्यों को प्रत्येक दिन हम उस डायरी के पन्नों में अंकित करें। यहॉ यह भी उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि

वह स्वयं अपने विभाग के कर्मचारियों की डायरी प्रत्येक माह मॅगाकर उसका अनुश्रवण करें एवं सबसे अच्छे विचारों का संकलन कर उसका प्रत्येक माह प्रकाशन भी करायें।

जिला प्रशासन गाजियाबाद द्वारा इस तरह का जो समारोह/कार्यक्रम मनाया जा रहा है, यह देश में अपने आप में पहला प्रयोग है।